

संपन्न परिवारों को छात्रवृत्ति देकर आमजन की गढ़ी कमाई का दुरुपयोग कर रही सरकार : हाईकोर्ट

25 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के अभ्यर्थी को दी जा रही छात्रवृत्ति पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप स्कीम के तहत 25 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के अभ्यर्थी को ₹3 वर्ग में दी जा रही छात्रवृत्ति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने इस योजना के तहत अब तक लाभ लेने वाले अधिकारी पेश करने को कहा है। अदालत ने कहा कि योजना को ₹17 अप्रैल को भी इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने को चाहा है। अदालत ने कहा कि योजना को आवश्यक कार्यालय के लिए रुपए से अधिक है। अदालत ने दो बार स्कॉलरशिप के नाम सरकारी खजाने का कांपा मुख्य सांचव सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को आवश्यक कार्यालय के लिए दुरुपयोग कर रही है।

- अदालत ने कहा, "कोर्ट आंखें मुंदे नहीं रह सकता, वर्षों ना इस योजना को बंद कर दिया जाए"
- कोर्ट ने स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप स्कीम के तहत अब तक लाभ लेने वाले अधिकारीयों और उनके मातापिता की संपूर्ण जानकारी पेश करने को कहा है।

रुपए से अधिक है। अदालत ने आदेश की रूपांतरण की ओर से दायर याचिका पर सुनवाइ करते हुए दिए अदालत ने 9 मई तक राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि क्यों न इस अदालत को आवश्यक सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को आवश्यक कार्यालय के लिए दुरुपयोग कर रही है। याचिका को आवश्यक कार्यालय के लिए दुरुपयोग कर रही है।

इसके जवाब में राज्य के अतिरिक्त महाधिकारा विज्ञान शास्त्र में कहा कि योजना के तहत ₹3 केटेगरी में परिवार को लाभ देने से इसका उद्देश्य ही फिल हो जाएगा। याचिका में अधिकारीयों ने योजना का लाभ देने को स्कॉलरशिप के नाम सरकारी खजाने का कांपा मुख्य सांचव सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को आवश्यक कार्यालय के लिए दुरुपयोग कर रही है।